अभिनय की कमी महसूस करती हूं : एमा वॉटसन

अभिनेत्री एमा वॉटसन ने हाल ही में खुलासा किया है कि उन्हें अभिनय की कमी महसूस होती है, लेकिन फिल्मों को बढ़ावा देने और %बेचने% की %आत्मा को नष्ट करने वाली% प्रक्रिया की कमी बिल्कुल नहीं होती. उन्होंने कहा कि वह इस प्रक्रिया को काफी तनावपूर्ण मानती हैं.

एमा वॉटसन ने बताया कि फिल्मों का प्रचार और उन्हें बेचने की प्रक्रिया अभिनय से कहीं ज्यादा बड़ा हिस्सा बन चुकी है. उन्होंने कहा, मैं ईमानदार और सीधी रहूंगी, और कहूंगी= मुझे चीजों को बेचना बिल्कुल पसंद नहीं है. मैंने इसे काफी आत्मा-नष्ट करने वाला काम पाया. उन्होंने कहा कि वह अपनी कला को और अपनी अभिनय क्षमता का उपयोग करना बहुत याद करती हैं.

वॉटसन ने फिल्मों की शूटिंग के दौरान मिलने वाले रिहर्सल के कम समय का भी जिक्र किया. हालांकि, उन्होंने कहा कि जब कैमरा रोल होता है और आप दुनिया की बाकी सब चीजों को भूलकर सिर्फ उस एक पल पर ध्यान देते हैं, तो यह ध्यान का एक तीव्र रूप होता है. उन्होंने कहा कि यह बहुत ही सुकून देने वाला अनुभव है और वह इसे बहुत याद करती हैं, लेकिन उन्हें दबाव पसंद नहीं है.

एमा वॉटसन ने यह भी बताया कि अभिनय से दूर रहकर वह शायद सबसे खुश और स्वस्थ रही हैं. उन्होंने कहा कि कई सार्वजनिक पहचानों को त्यागने से उन्हें बेहतर बहन, बेटी, दोस्त, पोती और कलाकार बनने की जगह मिली है. उन्होंने यह भी संकेत दिया कि वह कुछ ऐसा कर रही हैं जो उन्होंने पहले कभी नहीं किया.

कैटरीना और विक्की कौशल के घर गूंजेगी किलकारी

बॉलीवुड के लोकप्रिय कपल कैटरीना कैफ और विक्की कौशल ने अपने फैंस को बड़ी खुशखबरी दी है. शादी के चार साल बाद, इस पावर कपल ने सोशल मीडिया पर अपनी प्रेग्नेंसी का ऐलान किया है, जिससे उनके फैंस और फिल्म इंडस्ट्री में खुशी की लहर दौड़ गई है.कैटरीना और विक्की ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक प्यारी तस्वीर साझा की है. इस तस्वीर में कैटरीना एक सफेद बॉडीकॉन ड्रेस में अपना बेबी बंप दिखा रही हैं, जबकि विक्की प्यार से उनके बेबी बंप को थामे हुए हैं. दोनों के चेहरे पर माता-पिता बनने की खुशी साफ झलक रही है.

कपल ने अपनी इस खास पोस्ट के साथ एक दिल छू लेने वाला कैप्शन भी लिखा है. उन्होंने लिखा, खुशी और आभार के साथ, हम अपनी ज़िंदगी का सबसे बेहतरीन अध्याय शुरू करने जा रहे हैं. इस पोस्ट के सामने आते ही सोशल मीडिया पर बधाई संदेशों की बाढ़ आ गई है. फैंस से लेकर बॉलीवुड सेलेब्स तक, सभी इस जोड़ी को शुभकामनाएं दे रहे हैं. कैटरीना की प्रेग्नेंसी की खबरें लंबे समय से चल रही थीं, लेकिन कपल ने अब आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि कर दी है. विक्की और कैटरीना ने साल 2021 में राजस्थान में एक भव्य समारोह में शादी की थी.

सेलेब्स दे रहे है बधाई

आयुष्मान खुराना, रिया कपूर, सिद्धांत चतुर्वेदी, नेहा धूपिया, शरवरी वाग, सिद्धांत कपूर, जोया अख्तर, महीप कपूर, अंगद बेदी, अंशुला कपूर, जान्हवी कपूर, रेणुका शहाणे, अनन्या पांडे, सोनम कपूर, राजकुमार राव, वरुध धवन, वाणी कपूर, हुमा कुरैशी, रकुल प्रीत सिंह और मृणाल ठाकुर समेत पूरा बॉलीवुड कपल को भर-भरकर बधाई दे रहा है. बता दें, विक्की और कैटरीना ने साल 2021 में राजस्थान में शाही शादी रचाई थी और शादी के 3 साल बाद कपल ने फैंस को गुडन्यूज सुनाई है.

परिवार ने कभी शादी का दबाव नहीं डाला : सबा आजाद

अभिनेत्री सबा आजाद ने एक साक्षात्कार में अपनी निजी जिंदगी और करियर पर खुलकर बात की. उन्होंने कहा कि माता-पिता ने कभी शादी या पारिवारिक जिम्मेदारियों के लिए दबाव नहीं डाला, जिससे उन्हें अपनी जिंदगी खुद के तरीके से जीने की आजादी मिली. साथ ही, वह बॉलीवुड के पारंपरिक ढांचे में फिट होने की जल्दबाजी में नहीं हैं.

सबा ने बताया कि बचपन से ही उनके परिवार ने उन्हें स्पष्ट संदेश दिया था कि शादी कोई अनिवार्यता नहीं है. छह साल की उम्र में मां-बाप ने कहा कि अगर शादी नहीं करनी तो न करना. कोई अपेक्षा नहीं है. इसलिए जीवनशैली पर कभी दबाव महसूस नहीं हुआ. वर्तमान में ऋतिक रोशन के साथ रिलेशनशिप में होने के बावजूद शादी के सवालों पर वह सहज हैं.

अभिनय के मोर्चे पर सबा खुद को लालची अभिनेत्री बताती हैं. वह ऐसी भूमिकाओं की तलाश करती हैं, जो उनकी सांस्कृतिक और भाषाई सीमाओं से बाहर हों. मजबूत महिलाओं के किरदार, जो अपनी जगह पर निडर होकर खड़ी रहें, मुझे आकर्षित करते हैं. यह ऊर्जा स्क्रीन पर उतारना रोमांचक है. हालांकि, टाइपकास्टिंग की समस्या से वह जूझती हैं. शहरी किरदारों में बंद कर दिया जाता है. लोग हिंदी बोलने पर सवाल उठाते हैं, जबकि मैं सहज बोल लेती हूं.

सॉन्स ऑफ पैराडाइज के बाद सबा को निर्देशकों की कल्पना पर निर्भर रहना पड़ता है. उन्होंने कहा, अभिनेता का जीवन दूसरों के सपनों पर टिका है. कभी वांछित भूमिका नहीं मिलती. व्यावसायिक सफलता से ज्यादा जुनून महत्वपूर्ण है. थिएटर बैकग्राउंड होने से पैसे की चिंता कभी नहीं रही. कहानियां महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वे हमारी साझा मानवता को जोड़ती हैं.

जान्हवी का दिवंगत मां श्रीदेवी को हार्टवार्मिंगश्रद्धांजलि

जान्हवी कपूर ने अपनी मां, दिग्गज अभिनेत्री श्रीदेवी को याद करते हुए होमबाउंड फिल्म के विशेष प्रीमियर में उनकी आइकॉनिक साड़ी पहनकर भावुक क्षण पैदा किया. सोमवार को मुंबई में हुए इस प्रीमियर में जान्हवी ने रॉयल ब्लू और ब्लैक पश्मीना साड़ी पहनी, जो मनीष मल्होत्रा द्वारा डिजाइन की गई थी और श्रीदेवी ने 2017 में विराट कोहली-अनुष्का शर्मा की शादी रिसेप्शन में पहनी थी. यह साड़ी गोल्डन एम्ब्रॉयडरी से सजी हुई थी, जिसे जान्हवी ने ब्लैक वेलवेट ब्लाउज के साथ स्टाइल किया.

फिल्म होमबाउंड को हाल ही में 2026 के अकादमी अवॉर्ड्स के लिए भारत का आधिकारिक एंट्री चुना गया है. इसमें जान्हवी के अलावा ईशान खट्टर और विशाल जेठवा मुख्य भूमिकाओं में हैं. प्रीमियर में हृतिक रोशन, विक्की कौशल, तमन्ना भाटिया, ट्विंकल खन्ना, फराह खान और मनीष मल्होत्रा जैसे सितारे शामिल हुए. जान्हवी ने बालों को स्लीक बन में बांधा और स्टेटमेंट नेकपीस के साथ मिनिमल ज्वेलरी चुनी.

यह लुक फैंस को श्रीदेवी की याद दिला गया. कईयों ने कहा कि जान्हवी अपनी मां की जीवंत छवि हैं. एक फैन ने लिखा, वह अपनी मां की आईना जैसी लग रही हैं. श्रीदेवी को गर्व होगा. सोशल मीडिया पर कमेंट्स की बाढ़ आ गई, जहां यूजर्स ने उनकी सादगी और ट्रेडिशनल अपील की तारीफ की. प्रीमियर में जान्हवी शिखर पहाड़िया के परिवार के साथ पोज करती नजर आईं, जो इस इमोशनल मोमेंट को और खास बना गया.

भोजपुरी फिल्म छठ में पार्श्वगायन करेंगे कैलाश खेर

बॉलीवुड के जानेमाने पार्श्वगायक कैलाश खेर, अभिनेत्री नीतु चंद्रा की अगली भोजपुरी फिल्म छठ में पार्श्वगायन करेंगे. राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक नितिन चंद्रा निर्देशित फिल्म 'छठ' अक्टूबर में रिलीज़ होने जा रही है. खास बात यह है कि पूरी फिल्म की शूटिंग बिहार में ही की गई है. नीतू चंद्रा पिछले 15 वर्षों से लगातार बिहार में फिल्में बनाती आ रही हैं और भोजपुरी, मैथिली सहित बिहार की अन्य भाषाओं में वर्ल्ड क्लास सिनेमा का निर्माण कर लोगों को रोज़गार भी उपलब्ध करा रही हैं.

लंदन फैशन वीक में जैकलीन ने बिखेरा जलवा

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज ने जलवा बिखेर दिया.लंदन फैशन वीक के मंच पर उस समय सबकी निगाहें ठहर गईं जब बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीस ने मशहूर डिजाइनर अनामिका खन्ना के लिए रैम्प वॉक किया. अपनी बेहतरीन स्टाइल और रेड कार्पेट लुक्स के लिए पहचानी जाने वाली जैकलीन ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि वह फैशन की दुनिया में किसी अंतरराष्ट्रीय आइकन से कम नहीं हैं.

इस खास मौके पर जैकलीन ने एक स्टेटमेंट ब्लेज़र पहना था, जिसमें बारीकी से बने ज्योमेट्रिक पैटर्न ने सबका ध्यान खींचा. यह टेलर्ड ब्लेज़र न सिर्फ उनके फिगर को खूबसूरती से उभार रहा था, बल्कि इसके मॉदगीपूर्ण स्टाइलिंग के साथ जैकलीन ने इस शानदार पोशाक की खूबसूरती को पूरी तरह उभरने दिया, डर्न डिज़ाइन ने क्लासिक स्टाइल को हाई-फैशन लुक में बदल दिया. बेहद मिनिमल एक्सेसरीज़ और साजिससे उनका आत्मविश्वास और एलीगेंस दोनों साफ झलक रहा था.इस लुक की हर बारीकी कट्स से लेकर पैटर्न तक डिजाइनर अनामिका खन्ना के कारीगरी और रचनात्मकता का प्रतीक रही. जैकलीन की यह मौजूदगी न केवल भारतीय डिज़ाइन को एक अंतरराष्ट्रीय मंच पर सामने लाने वाली रही, बल्कि एक बार फिर उन्होंने यह साबित किया कि वे ग्लोबल लेवल पर फैशन ट्रेंड्स सेट करने वाली हस्तियों में शुमार हैं.

फैशन की दुनिया में लगातार छा रही जैकलीन फर्नांडीस हर एक अपीयरेंस के साथ ग्लैमर और स्टाइल का नया बेंचमार्क सेट कर रही हैं. अनामिका खन्ना के साथ उनका यह कोलैबोरेशन भारतीय फैशन और वैश्विक स्टाइल के मेल का एक बेहतरीन उदाहरण बनकर उभरा है.

मिलाप ज़वेरी की फिल्म मस्ती 4 का टीजर रिलीज

मिलाप ज़वेरी के निर्देशन में बन रही फिल्म मस्ती 4 का टीजर रिलीज कर दिया गया है. कॉमेडी फ्रेंचाइज़ी मस्ती एक बार फिर धमाके के साथ वापसी कर रही है. वेवबैंड प्रोडक्शन ने मस्ती 4 का टीज़र लॉन्च कर दिया है, जिसे मिलाप मिलन ज़वेरी ने लिखा और निर्देशित किया है. फिल्म मस्ती 4 में एक बार फिर रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदासानी अपने पसंदीदा किरदार अमर, मीत और प्रेम के रूप में नज़र आएँगे.

इन कलाकारों के साथ फिल्म में श्रेया शर्मा, रूही सिंह और एलनाज़ नोरौज़ी भी शामिल हुई हैं, जो इस हंसी के सफर को और ताज़गी और चमक से भर देंगी. यूके और मुंबई में शूट की गई इस फिल्म के टीज़र में बड़े पैमाने पर भव्यता और मिलाप मिलन ज़वेरी के मसाला एंटरटेनर का अंदाज़ झलकता है. हालांकि इसके अलावा फिल्म में कई बड़े नाम भी सरप्राइज़ रोल में नज़र आएँगे निर्देशक मिलाप मिलन ज़वेरी ने अपनी खुशी साझा करते हुए कहा, पहली दो मस्ती फिल्मों को लिखने से लेकर अब मस्ती 4 निर्देशित करने तक का यह सफर मेरे लिए सचमुच एक फुल सर्कल मोमेंट है. यह मेरे लिए सम्मान की बात है कि मैं इंद्र कुमार सर की विरासत को आगे ले जा रहा हूँ, जिनकी दृष्टि ने इस फ्रेंचाइज़ी की नींव रखी.

अक्षय कुमार ने AI-जनरेटेड वीडियो पर जताई आपत्ति

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने अपने नकली वीडियो बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ङ्ढ) के इस्तेमाल की कड़ी निंदा की है. उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक बयान जारी करते हुए बताया कि उन्होंने हाल ही में एक फिल्म ट्रेलर का AI-जनरेटेड वीडियो देखा, जिसमें उन्हें महर्षि वाल्मीकि की भूमिका में दिखाया गया है.

अक्षय कुमार ने इस वीडियो को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की और कहा कि वह इस बात को स्पष्ट करना चाहते हैं कि ऐसे सभी वीडियो पूरी तरह से फर्जी हैं और ङ्ढ का उपयोग करके बनाए गए हैं. उन्होंने मीडिया चैनलों से भी सत्यापन के बिना ऐसी सामग्री को समाचार के रूप में प्रकाशित न करने की अपील की. उन्होंने कहा, आज के समय में, जब गलत जानकारी ङ्ढ के माध्यम से बहुत तेज़ी से फैल रही है, मैं मीडिया घरानों से ईमानदारी से अनुरोध करता हूं कि वे जानकारी को प्रमाणित करने के बाद ही रिपोर्ट करें.

अक्षय का यह बयान ऐसे समय में आया है जब ऐश्वर्या राय बच्चन, अभिषेक बच्चन और करण जौहर जैसे बॉलीवुड सेलेब्रिटीज़ ने अपनी निजता के अधिकार की सुरक्षा की मांग की है. उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बिना अनुमति के अपने नाम, फोटो, आवाज और वीडियो के अनधिकृत उपयोग पर आपत्ति जताई है. दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी ऐश्वर्या राय बच्चन के नाम, इमेज और व्यक्तित्व के अनधिकृत उपयोग पर सख्ती दिखाई है और कहा है कि इस तरह के दुरुपयोग से न केवल आर्थिक नुकसान होता है, बल्कि उनकी गरिमा और प्रतिष्ठा को भी ठेस पहुंचती है.

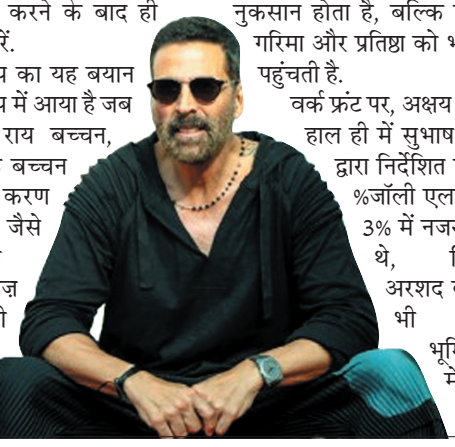

वर्क फ्रंट पर, अक्षय कुमार हाल ही में सुभाष कपूर द्वारा निर्देशित फिल्म %जॉली एलएलबी 3% में नजर आए थे, जिसमें अरशद वारसी भी मुख्य भूमिका में हैं.

कृषि जगत

अक्टूबर की खेती से बदल सकती है किसानों की किस्मत

आजतक एग्रीकल्चर डेस्क अक्टूबर का महीना किसानों के लिए नई उम्मीदें लेकर आता है. बदलते मौसम के साथ ही खेतों में ऐसी फसलों की बुवाई का समय आ जाता है जो जल्दी तैयार होकर अधिक आमदनी दिला सकती हैं.

अगर आप खेती करते हैं और फसल में जल्दी मुनाफा चाहते हैं, तो अक्टूबर आपके लिए सबसे अहम महीनों में से एक है. यह समय होता है ठंडी सब्जियों की खेती शुरू करने का, जो न केवल कम लागत में होती हैं, बल्कि तेज़ी से तैयार होकर बाजार में बेहतर दाम भी दिलाती हैं. आइए जानें कौन-सी फसलें अक्टूबर में बोई जाएं ताकि किसान भरपूर मुनाफा कमा सकें.

अक्टूबर में बोई गई पालक तेज़ी से बढ़ती है. इसकी किस्में जैसे पूसा पालक, ऑलग्रीन, पूसा ज्योति जल्दी तैयार होती हैं और बाजार में तेजी से बिकती हैं. इस मौसम का तापमान चुकंदर की बीज अंकुरण और ग्रोथ के लिए आदर्श होता है. एक हेक्टेयर से 30ङ्क40 क्विंटल तक उत्पादन मिल सकता है. प्याज

की बुवाई के लिए 6.5 से 7.5 पीएच वाली मिट्टी उपयुक्त होती है. लाल दोमट या काली मिट्टी का चुनाव करें. अम्लीय मिट्टी से बचें. ब्रोकली की नर्सरी अभी तैयार करें और 4 से 5 हफ्ते में खेत में लगाएं.

60-65 दिनों में तैयार होने वाली किस्में बाजार में अच्छी कीमत दिलाती हैं. मूली की अगेती किस्में 45 दिनों में तैयार हो जाती हैं. उत्पादन 150ङ्क300 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक हो सकता है. अक्टूबर का मौसम गाजर की जड़ों के विकास के लिए परफेक्ट है. 70ङ्क90 दिनों में फसल तैयार हो सकती है, और 40 टन प्रति हेक्टेयर तक उपज संभव है. जल्दी तैयार होने वाली किस्में 40 45 दिन में उपज देती हैं. औसतन 40-45 टन प्रति हेक्टेयर तक उत्पादन संभव है.

तुलसी के पौधों में कीड़े? घरेलू घोल बनाकर पाएं हरी-भरी

बरसात के मौसम में तुलसी के पौधों में कीड़े लगना आम बात है, लेकिन कुछ आसान और सस्ते घरेलू उपायों से पौधों को कीटमुक्त और हरा-भरा रखा जा सकता है. तुलसी की पत्तियों का धार्मिक और औषधीय महत्व होने के कारण रासायनिक कीटनाशकों का उपयोग स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है. ऐसे में प्राकृतिक उपाय अपनाकर कीड़ों से छुटकारा पाया जा सकता है.

पहला उपाय है नीम की पत्तियों का घोल. नीम की पत्तियों को पानी में उबालकर, ठंडा करने और छानने के बाद तैयार स्प्रे को तुलसी के पौधों पर छिड़कने से कीड़े दूर हो जाते हैं. दूसरा तरीका है पानी का जेट स्प्रे. तेज धार से पानी देकर कीड़ों को भगाया जा सकता है और फंगल इंफेक्शन से भी बचा जा सकता है. हालांकि, जेट स्प्रे सुबह या शाम के समय करना चाहिए, क्योंकि कड़ी धूप में यह पौधों को नुकसान पहुंचा सकता है.

यदि कीड़े कम हैं, तो प्रभावित पत्तियों और डालियों को हाथ से हटाना भी कारगर है. इसके अलावा, एक चम्मच हल्दी को पानी में मिलाकर पौधे की जड़ों में डालने से कीड़ों के अंडे और लार्वा नष्ट हो जाते हैं. यह प्राचीन नुस्खा काफी प्रभावी है. बरसात या नमी वाले मौसम में रात के समय तुलसी को सूती कपड़े से हल्के से ढक देना चाहिए, ताकि कीड़े पौधे तक न पहुंचें. सुबह धूप में कपड़ा हटाकर पौधे को धूप जरूर दिखाएं.

बाढ़ के बाद कौन-सी फसलें लगाना ज्यादा फायदेमंद

साल बाढ़ ने कई राज्यों में तबाही मचाई है. इसका सबसे बड़ा नुकसान किसानों में देखने को मिला है. इस साल देशभर में लाखों एकड़ फसल चौपट हो गई है. बाढ़ अपने निशान ना सिर्फ इंसानों के जेहन में छोड़ती है बल्कि धरातल पर भी इसका प्रभाव सालों तक दिखता है. अगर आप किसान हैं तो आपके लिए ये जानना जरूरी है कि बाढ़ का पानी अपने साथ मिट्टी, रेत और खनिज पदार्थ लेकर आती है जिससे खेत में गाद जमा हो जाती है. सिल्ट जमा होने के बाद खेतों से किसी तरह की फसल उगा पाना आसान नहीं होता है.

इन फसलों से मिलेगा फायदा- बारिश और बाढ़ के बाद मिट्टी में नमी खूब रहती है जिसके कारण अधिकांश बीज तैयार नहीं हो पाते हैं. आपको बता दें कि सामान्य नमी में ही बीज अच्छे से उगते हैं. कुछ ऐसी भी फसलें हैं जिन्हें बाढ़ के बाद उगाना फायदेमंद माना जा सकता है.

धान- आप सब जानते होंगे कि धान की खेती के लिए पर्याप्त पानी की जरूरत होती है. यही कारण है कि धान को खरीफ की सबसे खास फसल माना जाता है. अगर आपके इलाके में बाढ़ के हालात हैं तो उसके बाद धान की जल्दी तैयार होने वाली किस्में उगा सकते हैं. धान की कई ऐसी किस्में भी हैं जो बाढ़ प्रतिरोधी मानी जाती हैं.

जलकुंभी- जलकुंभी के बारे में आप सब जानते होंगे. नए लोगों को बता दें कि इसे वाटर हायसिंथ भी कहा जाता है. ये एक जलीय पौधा है जो तालाबों में खरपतवार के रूप में उगता है और इसे हटाया जाता है. जलकुंभी का उपयोग जैविक खाद बनाने के लिए किया जा सकता है.

दलहन फसलें- बाढ़ के बाद मिट्टी की उर्वराशक्ति भी प्रभावित होती है. आपको बता दें कि मिट्टी में गाद जमा हो जाने के कारण अधिकांश फसलें उग नहीं पाती हैं ऐसे में दलहन फसलें उगाना अच्छा माना जाता है. दलहन फसलों की जड़ें मिट्टी की गुणवत्ता सुधारने में भी मददगार होती हैं. इसके अलावा इन फसलों को तैयार करने में भी अधिक तामझाम की जरूरत नहीं होती है.

पशुओं के लिए साल भर चारे का प्रबंध अब आसान

पशुपालन करने वाले किसानों के लिए साल भर हरे चारे की व्यवस्था करना एक बड़ी चुनौती होती है, जो पशुओं के अच्छे स्वास्थ्य और दूध उत्पादन के लिए बेहद ज़रूरी है. इस समस्या को हल करने के लिए, अब किसान एक ही खेत में कई तरह के चारे की खेती कर सकते हैं. यह तकनीक न केवल चारे की कमी को पूरा करती है, बल्कि यह पशुओं को अधिक पौष्टिक आहार भी प्रदान करती है.

पशुपालक किसान एक ही खेत में ज्वार, मक्का, बाजरा, लोबिया और ग्वार की खेती करके साल भर हरे चारे की आपूर्ति सुनिश्चित कर सकते हैं. इन पांचों फसलों की बुवाई 2=1 के अनुपात में करने से अधिक मात्रा में और बेहद पौष्टिक चारा मिलता है. इस विधि से खेती किसी भी मौसम में की जा सकती है, और बुवाई के समय में थोड़ा बदलाव करने पर भी अच्छी पैदावार मिलती है. प्रति हेक्टेयर खेत में लगभग 20-25 किलो बीज की आवश्यकता होती है. इन फसलों की बुवाई के लिए

सीड ड्रिल का उपयोग करना सबसे अच्छा तरीका है, जिससे बीजों को 20-25 सेमी की दूरी पर पंक्तियों में बोया जाता है. यह विधि चारे की पैदावार बढ़ाने में मदद करती है.

बुवाई से पहले, खेत में प्रति हेक्टेयर 50 किलो नाइट्रोजन, 30 किलो फास्फोरस और 30 किलो पोटाश डालना चाहिए.

हरे चारे के लाभ

हरा चारा पशुओं के स्वास्थ्य के लिए कई तरह से फायदेमंद होता है-

पोषक तत्व- इसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, विटामिन और खनिज प्रचुर मात्रा में होते हैं.

रोग प्रतिरोधक क्षमता- प्रोटीन पशुओं को बीमारियों से बचाता है.

आंखों की रोशनी- हरे चारे में मौजूद केरोटीन (जो विटामिन ए का रूप है) पशुओं को रतौंधी से बचाता है.

पाचन में सुधार- यह स्वादिष्ट और आसानी से पचने योग्य होता है, जिससे पशुओं की पाचन शक्ति बढ़ती है.

त्वचा और दूध- इसे खिलाने से पशुओं की त्वचा मुलायम होती है और दूध देने वाले पशुओं में दूध की मात्रा बढ़ जाती है.

प्रजनन क्षमता- हरा चारा पशुओं में गर्भधारण करने की क्षमता को भी बढ़ाता है.

यह मल्टी-क्रॉपिंग तकनीक न केवल चारे की समस्या का समाधान है, बल्कि यह पशुपालन को और अधिक टिकाऊ और लाभदायक बनाती है.